उत्तराखण्ड में खरीफ फसलों की बुवाई/रोपण हेतु सलाह

फसल	क्षेत्र	प्रजातियॉ	बोने का समय
धान	तराई–भाबर एवं मैदानी क्षेत्र	नरेन्द्र 359, एच.के.आर. 47, पी0आर0 113, पी0आर0 114, पन्त धान 10,12,19,24 एवं 26, पन्त सुगन्धा धान 15, 17 एवं 27, पूसा बासमती 1121 एवं 1509, पन्त बासमती 1 एवं 2	नर्सरी बुवाई– मई माह के दूसरे पखवाड़े से जून के प्रथम सप्ताह तक। पौध रोपण– जून माह के अन्तिम सप्ताह से जूलाई के प्रथम सप्ताह तक।
	पर्वतीय क्षेत्र सिंचित (तलाऊ)	वी0एल0 धान 85, विवेक धान 82, वी0 एल0 धान 68, पन्त धान 11 एवं 12, पूसा बासमती 1509, गोविन्द, वी0एल0 65	पर्वतीय मध्यम ऊचाई क्षेत्र (900–1500 मीटर) नर्सरी बुवाई– मई माह के प्रथम पखवाड़ा। पौध रोपण– जून माह के द्वितीय पखवाड़ा।
			उच्च पर्वतीय क्षेत्र (समुद्र सतह से 1500 मीटर एवं अधिक ऊचाई वाले क्षेत्र) पौध बुवाई– माह अप्रैल के द्वितीय पखवाड़ा। पौध रोपण– माह जून के प्रथम पखवाडा।
	चैतकी धान (उपराऊ धान/ असिंचित)	वी0 एल0 धान 207, 208 एवं 209	सीधी धान की बुवाई सामान्यतः मध्य मार्च से अप्रैल के प्रथम पखवाड़े तक।
	जेठी धान (असिंचित)	वी0 एल0 धान 154, वी0 एल0 धान 157	सीधी बुवाई माह मई के अन्तिम सप्ताह से जून के प्रथम सप्ताह तक।
मक्का	तराई–भाबर एवं मैदानी क्षेत्र	संकुल प्रजातिः पन्त संकुल मक्का 3, श्वेता, बजौरा मक्का 1, विवेक संकुल 11 संकर प्रजातिः एच0 एम0 10, एच0क्यू0पी0एम0 1 एवं 4, पूसा एच0क्यू0पी0एम0 5, पन्त संकर मक्का 1 एवं 4, सरताज, पी0 3522, बायो 9544 पॉपकोर्नः पन्त पॉपकोर्न 1, वी0 एल0 अम्बर पॉपकोर्न चारा प्रजातिः अफ्रीकन टॉल	जून माह के मध्य से जुलाई के मध्य तक।
	मध्य एवं उच्च पर्वतीय क्षेत्र	संकुल प्रजातिः विवेक संकुल मक्का 31 एवं 35, प्रगति, कचंन, श्वेता, नवीन, वी0 एल0 मक्का 37 संकर प्रजातिः विवेक संकर मक्का 39, 45, 47, 53 एवं 55, एच0एम0 13, डी0एम0एच0 109, विवेक क्यू0पी0एम0 9, वी0 एल0 बेबीकोर्न 1	मध्य पर्वतीय क्षेत्र– माह मई के अन्त से जून मध्य तक। उच्च पर्वतीय क्षेत्र–माह अप्रैल के अन्त से मई मध्य तक।
उर्द	तराई, भाबर एवं निचले पर्वतीय क्षेत्र	पन्त उर्द 19, 31, 35 एवं 40	मैदानी क्षेत्रों मेंः माह जुलाई के तृतीय सप्ताह से अगस्त के प्रथम सप्ताह तक। घाटियों मेंः जून के द्वितीय पखवाड़ा ।
मूंग	तराई, भाबर एवं पर्वतीय क्षेत्र	पन्त मूंग 2, 5 एवं 8	मैदानी क्षेत्रों मेंः माह जुलाई के अन्तिम सप्ताह से अगस्त के द्वितीय सप्ताह तक। घाटियों मेंः जून के द्वितीय पखवाड़ा।
सोयाबीन	तराई एवं भाबर	पी0एस0 1225, 1347, 19, 24 एवं 26	माह जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक।
	पर्वतीय क्षेत्र	पी0एस0 1092, पी0एस0 25, वी0एल0 सोया 59 एवं 63, वी0एल0 भट्ट 65	माह मई के अन्त से जून के प्रथम पखवाड़े तक।
मंडुवा (रागी)	पर्वतीय क्षेत्र	वी0एल0 मंडुवा 352, 379, 324 एवं 315	समुद्र सतह से 1000 मीटर की ऊँचाई – माह जून का प्रथम पखवाड़ा। 1000–1500 मीटर –माह मई के अन्त से जून के प्रथम पखवाड़े तक।

			1500 मीटर से ऊपर– माह मई का द्वितीय पखवाड़ा।
मादिरा (झिंगोंरा / सांवा)	पर्वतीय क्षेत्र	पी0आर0जे0 1, वी0एल0 मादिरा 172 एवं 207	समुद्र सतह से 1000 मीटर की ऊँचाई – माह जून। 1000–1500 मीटर –माह मई के अन्त से जून के प्रथम पखवाड़े तक। 1500 मीटर से ऊपर–माह मई का प्रथम पखवाड़ा।
रामदाना	पर्वतीय क्षेत्र	पी0आर0ए0 1, वी0एल0 चुआ 44	माह मई के द्वितीय पखवाड़े से जून के प्रथम पखवाड़े तक।
उगल (कुट्टू)	पर्वतीय क्षेत्र	वी0एल0 7	माह मई के द्वितीय पखवाड़े से जून के द्वितीय पखवाड़े तक।
अरहर	मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्र	पन्त अरहर 3 एवं 291, यू0पी0ए0एस0 120, वी0एल0 अरहर 1, पन्त अरहर 6	मैदानी क्षेत्रों में मध्य जून तक। पर्वतीय क्षेत्रों में मध्य अप्रैल से मध्य मई।
गहत	पर्वतीय क्षेत्र	वी0एल0जी0 15 एवं 19	माह जून का प्रथम पखवाड़ा।
राजमा	पर्वतीय क्षेत्र	वी0एल0 राजमा 63	माह जून का द्वितीय पखवाड़ा।
नौरंगी	पर्वतीय क्षेत्र	पी0आर0आर0 1 एवं 2	उच्च पर्वतीय क्षेत्रः माह मई का द्वितीय पखवाड़ा। मध्य पर्वतीय क्षेत्रः माह जून का द्वितीय पखवाड़ा।
ज्वार (चारा)	मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्र	पन्त चरी 6, 7 एवं 8, सी0बी0एस0एच 20 एम0एफ0, सी0एस0एच0 24 एम0एफ0, पूसा चरी संकर 106 एवं 109, सी0ओ0एफ0एस0 29, मीठी सुडान (एस0एस0जी0 3), प्रोएग्रो, स्वीट सोर्गम	मैदानी क्षेत्र : फरवरी से जुलाई। पर्वतीय क्षेत्र : मानसून आरम्भ से।

सब्जियाँ	प्रजाति	बुवाई / रोपण
टमाटर	अर्का रक्षक, पन्त टी 3, हिमसोना, नवीन 2000, नवीन 2000+, अभिनव, सम्राट, रक्षिता गोल्ड	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से जून मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
बैगन	श्यामली, पन्त सम्राट, पन्त रितुराज, पूसा पर्पल लौगं, पूसा अनमोल, पूसा कांति, छाया, पी0पी0एल0 74	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से जून मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
मिर्च	पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, काशी अनमोल, अर्का मेघना, अग्नि, सोल्जर, दिव्य ज्योति	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से जून मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
शिमला मिर्च	कैलीफोर्निया वंडर, अर्का गौरव, अर्का मोहिनी, इन्द्रा, स्वर्णा, ऐश्वर्या, आशा, इण्डम भारत	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से जून
फ्रैंचबीन	फागुनी, वैष्णवी, वी0एल0 बोनी बीन 1, वी0 एल0 बीन 2, पन्त अनुपमा, अर्का कोमल	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से जून
अदरक	रियो–डी–जिनेरियो, हिमगिरी, सुप्रभा, सुरूचि	माह अप्रैल से मई
हल्दी	पन्त पीताभ, स्वर्णा, सुगुना, प्रभा, राजेन्द्र सोनिया	माह अप्रैल से मई
भिंडी	परभनी क्रांति, काशी प्रगति, शक्ति, सोनल, सारिका	माह मई से जून
लौकी	अर्का बहार, पूसा समर प्रोलिफिक लौगं, पंजाब कोमल, पंजाब राउण्ड, पूसा नवीन, विनायक, अनोखी, पन्त लौकी 3, वरद	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से मई मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
चिकनी तोरई	पूसा चिकनी तोरई, पूसा सुप्रिया, कल्याणपुर हरी चिकनी, ललित, सत्या, पन्त तोरई 1	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से मई मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
नसदार तोरई	पूसा नसदार, अर्का सुमित, अर्का सुजाता, नाग	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से मई मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
खीरा	जापानी लॉग ग्रीन, पोइनसैट, पूसा उदय, शीतल, पन्त खीरा 1, मालिनी, चैम्पियन	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से मई मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
करेला	पन्त करेला 1, अर्का हरित, कल्याणपुर बारहमासी, पाली, प्रगति	पर्वतीय क्षेत्र– माह अप्रैल से मई मैदानी क्षेत्र– माह जून से जुलाई
आम	बम्बई ग्रीन, लंगड़ा, दशहरी, चौसा, आम्रपाली, मल्लिका, रामकेला	पौधरोपण– जुलाई से सितम्बर
अमरूद	एल0 49 (सरदार), पन्त प्रभात, इलाहाबाद सफेदा, ललित, श्वेता	पौधरोपण– जुलाई से सितम्बर
लिची	रोज सेंन्टेड, कलकतिया, लेट बेदाना	पौधरोपण– जुलाई से सितम्बर
नींबू	पन्त लैमन 1, पहाड़ी नींबू, कागजी नींबू	पौधरोपण– जुलाई से सितम्बर
कटहल	पन्त गरिमा, पन्त महिमा, रूद्राक्षी	पौधरोपण– जुलाई से सितम्बर

पशु चिकित्सा एवं मत्स्य विज्ञान				
खुरपका एवं मुंहपका बीमारी का टीकाकरण	पशु, भैंस, भेड़, बकरी एवं सुअर	एफ0एम0डी0 निष्क्रिय पॉलीवेलेंन्ट टीका	विभिन्न पशु, भैंस एवं भेड़ः 2 मिली. बकरी एवं सुअरः 1 मिली0	• 4 माह की आयु में पहली खुराक • 6 माह की आयु में अतिरिक्त (Booster) खुराक • प्रत्येक 6 माह के अंतराल में दुहराना है। टीकाकरण का उचित समयः मार्च–अप्रैल तथा सितम्बर–अक्टूबर
पी0पी0आर	बकरी एवं भेड़	जीवित एटेन्यूएटेड टीका	बकरी एवं भेड़ः 1 मिली0	4 माह की आयु में पहली खुराक पुनः 3 वर्ष में एक बार
गलघोटू रोग	पशु, भैंस, भेड़, बकरी एवं सुअर	एच0एस0 तेल एडजुवेन्ट टीका	पशु, भैंसः 3 मिली0 भेड़, बकरी, सुअर एवं बछियाः 2 मिली0	• 4 माह की आयु में पहली खुराक। • प्रत्येक वर्ष में खुराक को दुहराना है। टीकाकरण का उचित समयः वर्षा ऋतु से पहले (मई–जून)
लंगड़ी बुखार	पशु, भैंस, भेड़ एवं बकरी	पौलीवेलेंन्ट ए बी क्यू टीका	पशु, भैंसः 5 मिली0 भेड़ एवं बकरीः 2–3 मिली0	• 6 माह की आयु में पहली खुराक। • प्रत्येक वर्ष में खुराक दुहरानी है। टीकाकरण का उचित समयः वर्षा ऋतु से पहले (मई–जून)
अन्तः परजीवी	अन्तः परजीवीनाशक दवा	प्रत्येक 4 माह उपरांत एवं टीकाकरण से 15 दिन पहले (पशु चिकित्साधिकारी की सलाह पर)		
वाह्य परजीवी	वाह्य परजीवीनाशक दवा	पशु चिकित्साधिकारी की सलाह पर आवश्यकतानुसार		
तापघात (Heat stroke)	–	दोपहर में पशुओं को चराने से बचें (सुबह 10 बजे से दिन में 2 बजे तक)। छायादार स्थान पर स्वच्छ पानी एवं चारे की उपयुक्त व्यवस्था ।		
मत्स्य पालन	मैदानी क्षेत्र	• मछलियों के वजन के अनुसार 1 से 2 प्रतिशत तक मत्स्य आहार का प्रयोग। • तालाब में 200 किग्रा./है0/माह की दर से चूने का प्रयोग। • तालाब में न्यूनतम 1.5 मीटर पानी की सतह बनाये रखें। • जाल एवं अन्य उपकरणों को प्रयोग से पूर्व एवं उपरान्त संक्रमणमुक्त करें। • बिक्री योग्य मछलियों की निकासी कर विक्रय करें। मत्स्य तालाब की तैयारीः • तालाब में मत्स्य बीज संचय से पूर्व 10 कुन्तल/है0 की दर से गाय का गोबर डालकर 01 सप्ताह बाद तालाब में 1 मीटर पानी भरकर, 200 किग्रा/है0 की दर से चूने का प्रयोग करें। • 15–20 दिन पश्चात् तालाब के पानी का रंग हरा होने पर उसमें मत्स्य बीज (रोहू, कतला, म्रिगल, सिल्वर कार्प, कॉमन कार्प एवं ग्रास कार्प जाति) (4–6 सेमी0 आकार अंगुलिका) प्रति हेक्टेअर 6000–8000 की दर से संचय करें ।	
	पर्वतीय क्षेत्र	• मछलियों के वजन के अनुसार 1 से 2 प्रतिशत तक मत्स्य आहार का प्रयोग। • तालाब में 2 किग्रा./100 मी^{2} की दर से प्रतिमाह चूने का प्रयोग। • तालाब में न्यूनतम 1.0 मीटर पानी की सतह बनाये रखें। • जाल एवं अन्य उपकरणों को प्रयोग से पूर्व एवं उपरान्त संक्रमणमुक्त करें। • बिक्री योग्य मछलियों की निकासी कर विक्रय करें। मत्स्य तालाब की तैयारीः • तालाब में मत्स्य बीज संचय से पूर्व 50 किग्रा/100 मी^{2} की दर से गाय का गोबर डालकर 01 सप्ताह बाद तालाब में 1 मीटर पानी भरकर, 2 किग्रा/100 मी^{2} की दर से चूने का प्रयोग करें। • 15–20 दिन पश्चात् तालाब के पानी का रंग हरा होने पर उसमें मत्स्य बीज (रोहू, कतला, म्रिगल, सिल्वर कार्प, कॉमन कार्प एवं ग्रास कार्प जाति) (4–6 सेमी0 आकार अंगुलिका) प्रति 100 मी^{2} 250–300 की दर से संचय करें ।	